2011 - 2012 कक्षा 8

हिन्दी

अप्रेल / मई

ध्वनि (पद्य) , लाख की चूड़ियाँ (कहानी) , बस की यात्रा (व्यंग्य)

व्याकरण - भाषा और व्याकरण, वर्ण-विचार

पत्र - प्रार्थना पत्र

निबन्ध - समय का सदुपयोग , मशीनी युग के बढ़ते चरण

जुलाई

दीवानों की हस्ती (पद्य) , चिट्ठियों की अनूठी दुनिया निबन्ध), क्या निराश हुआ जाए

व्याकरण : संज्ञा - (विकारक तत्व, लिंग, वचन, कारक),
अपठित गद्यांश , सर्वनाम भेद सहित

अगस्त

कबीर की साखियाँ , कामचोर , सुदामा चरित

व्याकरण : सन्धि - (स्वर संधि)

पत्र : अनौपचारिक पत्र

सितम्बर

जब सिनेमा ने बोलना सीखा

निबंध - सिनेमा केवल मनोरंजन या ज्ञानवर्धक

व्याकरण - अपठित गद्यांश

अक्तूबर

भगवान के डाकिए , जहाँ पहिया है

व्याकरण - समास (भेद सहित वर्णन)

निबंध - पत्र की महत्तता या एस.एम.एस का संसार

नवम्बर

यह सबसे कठिन समय नहीं , अकबरी लोटा

व्याकरण - विशेषण भेद सहित

पत्र - व्यक्तिगत पत्र

दिसम्बर

सूरदास के पद, पानी की कहानी

व्याकरण - क्रिया और काल (भेद सहित)

जनवरी

बाज और साँप , टोपी

व्याकरण - अविकारी शब्द , उपसर्ग और प्रत्यय

पत्र - कार्यालयी पत्र

फरवरी

(पुनरावृत्ति कार्य) साहित्य

निबन्ध - कर्म की महत्त्ता , हम पृथ्वी की संतान

प्रथम सत्र

FA1 कक्षा कार्य + गृह कार्य (10) + स्वरचित कविता (वसंत, फाकामस्ती)(10) + संवाद लेखन (लाख की चूड़ियाँ) (10)+ कक्षा परीक्षा (20) = 50 x 2 = 100

FA2 परियोजना कार्य (10) + कविता पाठ (10) + अभिनय (कामचोर) (10)+कक्षा परीक्षा (वैकल्पिक) (20) = 50 x 2 = 100

द्वितीय सत्र

FA3 कक्षा कार्य + गृह कार्य (10) + कहानी प्रस्तुतिकरण (स्वरचित) (10) + वाद - विवाद (एस. एम. एस. और पत्र या सिनेमा में संवाद)(10)+कक्षा परीक्षा (20) = 50 x 2 = 100

FA4 परियोजना कार्य (10)+लेखक के विषय में जानकारी एकत्र करना (सूरदास / दिनकर) (10) + उपसर्ग और प्रत्यय (10)+ कक्षा परीक्षा (वैकल्पिक) (20) = 50 x 2 = 100

कक्षा 8 2011 - 2012

संस्कृत

अप्रैल / मई

सुवचनानि (पाठ - 5)

बाल - श्रमिकाः (पाठ - 6)

संख्यावाची विशेषण (पाठ - 14)

व्याकरण कार्य

शब्द रूप : मति, कवि, नदी के शब्द रूप, 'तत्' सर्वनाम शब्द तीनों लिंगों में।

धातु रूप : पठ्, भू, गम्, दृश्, अस्, कृ आदि धातुएँ पाँचों लकारों में।

जुलाई

ईश्वरः यत्करोति शोभनं करोति (पाठ - 9)

वरं बुद्धिर्न सा विद्या (पाठ - 10)

अस्माकं विद्यालय (पाठ - 1)

व्याकरण कार्य

शब्द रूप : पितृ, मातृ, 'किम्' सर्वनाम तीनों लिंगों में।

धातु रूप : 'नृत्' धातु पाँचों लकारों में।

अगस्त

संवाद (पाठ - 2)

साहित्य सुधा (पाठ - 7)

व्याकरण कार्य

धातु रूप : 'प्रच्छ्' धातु पाँचों लकारों में।

संख्या : 1 से 50 तक

सितम्बर

चन्द्रगुप्तस्य न्यायः (पाठ - 3)

प्रकृति - शोभा (पाठ - 4)

व्याकरण कार्य

शब्द रूप : गच्छत्

धातु रूप : सेव् आत्मनेपद् लट् व लृट् में।

अक्तूबर

श्रृगाल - कथा (पाठ - 8)

व्याकरण कार्य

शब्द रूप : विद्वस्

धातु रूप : 'लभ्' आत्मनेपद् लट् व लृट् लकारों में।

नवम्बर

नीति श्लोकाः (पाठ - 11)

महताम् अपि महान् (पाठ - 12)

व्याकरण कार्य

शब्द रूप : गुणिन्

धातु रूप : याच् परस्मैपद् पाँचो लकारों में

प्रत्यय : क्त्वा + तुमुन्

दिसम्बर

सन्धि (पाठ - 13)

व्याकरण कार्य

धातु रूप : स्था धातु पाँचों लकारों में।

संख्या : 51 से 75 तक

जनवरी

वार्तालापः (पाठ - 16)

व्याकरण कार्य

शब्द रूप : गुरू

धातु रूप : 'कथ्' पाँचों लकारों में।

संख्या : 76 से 100 तक

फरवरी

अभ्यास पुस्तिका -

पुनरावृत्ति (शब्द रूप व धातु रूप)

परियोजना कार्यः

प्रथम सत्र - श्रीमद्भगवतगीता में से कोई दस श्लोकों को सरलार्थ सहित लिखिए।

द्वितीय सत्र - स्वर सन्धि व भेद तथा प्रत्ययों के आधार पर चित्रों सहित विषय को दर्शाने वाले शब्द लिखो।

प्रथम सत्र

FA1 कक्षा कार्य + गृह कार्य (20) + चित्र वर्णन संस्कृत वाक्यों द्वारा (10) + कोई दो श्लोकों का कंठस्थ उच्चारण (10)+ विशेष्य का विशेषण से मिलान (10) = 50 x 2 = 100 अंक

FA2 परियोजना कार्य (10) + कक्षा परीक्षा (30) + मौखिक परीक्षा (10) = 50 x 2 = 100 अंक

द्वितीय सत्र

FA3 कक्षा कार्य + गृह कार्य (10) + चित्र वर्णन संस्कृत शब्दों के द्वारा (10) + उपपद विभक्ति नियमों के आधार पर शुद्ध वाक्य लिखना (10) + संस्कृत शब्दों का परिचय (10) + रिक्त स्थानों में सही धातु लिखना (स्था, याच्) (10) = 50 x 2 = 100 अंक

FA4 परियोजना कार्य (10) + कक्षा परीक्षा (30) + मौखिक परीक्षा (10) = 50 x 2 = 100 अंक